

**ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA**

**12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,  
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7**

## Book Issue Slip

**Member No. : 2038**

**Mobile Number : 9825821623**

**Receipt No. : S0076**

**Member Name :** मयुरकलाश्रीजी म.सा.

**Total Issued : 73**

**Address :** सिध्दसंगिनी.सोमचिंतामणी सर्कल,पाल,सुरत

**Issue Date : 25/04/2022**

**Last Date : 24/07/2022**

| Vargank No. | Kruti Name                                                             |
|-------------|------------------------------------------------------------------------|
| SA00442     | यतिलक्षण समुच्चय प्रकरण                                                |
| SA16814     | वैराग्यशतक आदि कुलकसंग्रह 1-2 (सार्थ) सुक्तरत्न मंजुषा                 |
| SA16826     | उपदेशमाला पुष्पामाला भवभावना (सार्थ) सुक्तरत्न मंजुषा                  |
| SA16827     | प्रकरणादि प्रवचन सारोद्धार पिंडविशुद्धि (सार्थ)सुक्तरत्नमंजुषा         |
| SA16828     | आवश्यक नियुक्ति आदि पंचवस्तु यतिदिन कृत्य (सार्थ)सुक्तरत्नमंजुषा       |
| SA16829     | संबोध प्रकरण संबोध सित्तरी पंचसूत्र (सार्थ)सुक्तरत्न मंजुषा            |
| SA16830     | शान्तसुधारस प्रशमरति अध्यात्म कल्पद्रुम (सार्थ)सुक्तरत्न मंजुषा        |
| SA16831     | ज्ञानसार अध्यात्म उपनिषदादि (सार्थ) सुक्तरत्न मंजुषा                   |
| SA16832     | षोडकादि योगविदु आदि द्वात्रिंशद् द्वात्रिंशिका (सार्थ)सुक्तरत्न मंजुषा |
| SA16833     | वीतराग स्तोत्र स्तुति संग्रह (सार्थ) सुक्तरत्न मंजुषा                  |

**Notes :** SA00442, SA16814, SA16826, SA16827, SA16828, SA16829, SA16830, undefined, SA16831, SA16832, SA16833  
SA - पुस्तक विभाग, पाल ज्ञानभंडार, सुरत, SA - पुस्तक विभाग, पाल ज्ञानभंडार, सुरत, SA - पुस्तक विभाग, पाल ज्ञानभंडार, सुरत, SA - पुस्तक विभाग,  
पाल ज्ञानभंडार, सुरत, SA - पुस्तक विभाग, पाल ज्ञानभंडार, सुरत, SA - पुस्तक विभाग, पाल ज्ञानभंडार, सुरत, SA - पुस्तक विभाग, पाल ज्ञानभंडार,  
सुरत, SA - पुस्तक विभाग, पाल ज्ञानभंडार, सुरत, SA - पुस्तक विभाग, पाल ज्ञानभंडार, सुरत, SA - पुस्तक विभाग, पाल ज्ञानभंडार, सुरत

Book Received By

Book Issue By

### संस्थाना नियमो :

- 1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामां आवशे.
- 2) पुस्तक 90 दिवसमां परत करवानुं रहेशे, कदाच वधारे समय राखवानुं थाय तो 90 दिवस बाद रिन्नु कराववु अनिवार्य छे.
- 3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेटलो दंड भरवानो रहेशे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किमत करता वधु होई शके छे.